मोदी के कार्यकाल में बढ़ा देश का आत्मविश्वास : बीजेपी

लखनऊ 6 फरवरी (ए)। भाजपा ने आज कहा कि सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के केन्द्र में गरीब और आम आदमी का उत्थान है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश का आत्मविश्वास बढ़ा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा, सरकार की प्राथमिकता गरीबों और आम आदमी का सशक्तिकरण है। पाण्डेय ने कहा कि भाजपा नेतृत्व अन्त्योदय लक्ष्य को साकार करने के लिए कृतसंकल्प है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि वास्तविकता यह है कि जनधन खाते की सुविधा, उज्ज्वला योजना, सौभाग्य योजना, मुद्राबैंक योजना, स्टैन्डअप, स्टार्टअप ने जनतंत्र को मजबूत किया है, वहीं गरीब परिवारों का आत्मविश्वास मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में देश में ही नहीं आपितु विश्वपटल पर भारत के लोगों के आत्मविश्वास ने आज भारत को दुनिया की छठी सबसे तेज रफ्तार की अर्थव्यवस्था बनाया तथा भारतीय सेना ने अपनी बहादुरी और संयम को पूरी दुनिया के सामने प्रमाणित किया। पाण्डेय ने कहा कि चाहे वह गरीबों को स्वास्थ सुरक्षा देना हो या फिर आवास, मुफ्त बिजली कनेक्शन, गैस कनेक्शन या बिना गारन्टी के मुद्रा बैंक ऋण हो सरकार की प्राथमिकता गरीब व आम आदमी का सशक्तिकरण है।

जैड प्लस सिक्योरिटी के सवाल पर सीएम भड़के, कहा- उन्हें व्यक्तिगत तौर पर नहीं मिली

पटना 6 फरवरी (ए)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को सोमवार को साप्ताहिक लोक संवाद कार्यक्रम के बाद प्रैस कॉन्फ्रैंस के दौरान जैड प्लस सुरक्षा को लेकर सवाल पूछे गए। सीएम से पूछा गया कि 12 साल तक सीएम रहते हुए उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता नहीं पड़ी तो अब इतनी सुरक्षा की आवश्यकता पड़ गई। इस पर सीएम भड़क गए और जवाब देते हुए कहा कि वह बिहार के सीएम को मिला है, उन्हें व्यक्तिगत तौर पर नहीं मिला है। बता दें कि अभी कुछ समय पहले केंद्र सरकार द्वारा जैड प्लस सुरक्षा प्रदान की गई है। इसके साथ-साथ दिल्ली में रहने के लिए एक आलीशान बंगला भी उनके नाम पर आबंटित हो चुका है।

दोनों तरफ से गोली चलती है : फारूख

नई दिल्ली , 06 फरवरी (ए)। पाकिस्तान द्वारा सीजफायर उल्लंघन और फायरिंग में रविवार को 4 जवान शहीद हो गए। जवानों की शहादत को लेकर पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। ऐसे समय में नैशनल कॉन्फ्रेंस + के नेता फारुख अब्दुल्ला ने बातचीत की पेशकश कर दी है। फारुख ने कहा कि दोनों तरफसे फायरिंग हो रही है। ऐसे वक्त में बातचीत से ही समाधान हो सकता है। उनके इस बयान पर राजनीतिक घमासान की भी पूरी संभावना बनती दिख रही है। फारुख अब्दुल्ला ने कहा, 'क्या गोलीबारी सिर्फपाकिस्तान की तरफ से हो रही है दोनों ही तरफ से ऐसा किया जा रहा है। ऐसे हालात लोगों के लिए विनाशकारी हैं। यह स्थिति युद्ध की तरफधकेल रही है। युद्ध कभी भी किसी भी मुद्दे का समाधान नहीं हो सकता। समाधान हमेशा बातचीत से ही हो सकता है। नैशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष का पाकिस्तान + को लेकर दिया ऐसा बयान कोई नई बात नहीं है। कभी वह पत्थरबाजों के लिए नरमदिली दिखाते हैं तो कभी पीओके पर पाकिस्तान के दावे को सही बताते हैं। पिछले साल नवंबर में भी उन्होंने कहा था कि पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पाकिस्तान का हिस्सा है और उसे पाकिस्तान से कोई छीन नहीं सकता।

अब यशवंत का कश्मीर राग

नई दिल्ली 6 फरवरी (ए)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा राजनीतिक है और इसे सेना की मदद से सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। सिन्हा ने मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिला मुख्यालय पर पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहले राजनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ रहे थे, अब उस पर ब्रेक लग गई है। सिन्हा ने बताया कि 23 फरवरी को दिल्ली में पूरे देश के किसानों का आंदोलन प्रस्तावित है और वहां पर किसानों के मुद्दों को उठाया जाएगा।

बजट 2018 पर गुजरात चुनाव का असर

नई दिल्ली 6 फरवरी (ए)। कृषि क्षेत्र और ग्रामीण इलाकों को केन्द्रीय बजट में मिले महत्व से एक बात साफ है कि केन्द्र सरकार गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन से बेहद परेशान है। इस चुनाव के नतीजों से साफ है कि पार्टी की पकड़ ग्रामीण इलाकों में कमजोर पड़ी है और तेजी से जनाधार गैर-भाजपा पार्टियों के पक्ष में जा रहा है। लिहाजा 1 फरवरी को पेश किए गए वार्षिक बजट में केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेतली ने ग्रामीण इलाकों को केन्द्र में रखते हुए किसानों और गरीबों के लिए बड़े ऐलान किए। इसके बावजूद भी 2019 की राह भाजपा के लिए आसान नहीं है। वित्त मंत्री ने किसानों की आमदनी को दोगुना करने और गरीब परिवारों को 5 लाख रुपए तक की वार्षिक मुफ्त चिकित्सा देने का लक्ष्य रखा है।

रेलवे ठेकेदारों को अपने सभी कामगारों का रखना होगा ब्यौरा

नयी दिल्ली , 06 फरवरी (ए)। रेलवे की साफ सफाई सहित अन्य गैर परिचालनगत परियोजनाओं के लिए बोली लगाने के लिए अब नकदी को भी एक पात्रता दायरा बनाया गया है। इसके साथ ही ठेकेदारों के लिए अब अपने सभी कामगारों का ब्यौरा रखना अनिवार्य होगा। रेल मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि उसकी कार्यकारी निदेशक समिति ने सेवाओं के लिए नयी अनुबंध शर्तें (जीसीसी) तय की हैं। इसके तहत रेलवे के लिए पुलों, भवनों व अमान परिवर्तन का काम करने वाले ठेकदारों के लिए नियम शर्तों को उन ठेकेदारों से अलग करने का फैसला किया गया है जो साफ सफाई, सुविधाओं के प्रबंधन व परामर्श आदि सेवाओं के लिए बोली लगाते हैं। पीटीआई भाषा ने रविवार को ही समाचार दिया था कि रेलवे में पहली बार इस तरह की नीति के तहत एक श्रम प्रबंधन प्रणाली लायी गई है जिसमें रेलवे को विभिन्न सेवाओं में लगे ठेका श्रमिकों का ब्यौरा रखा जाएगा। इसमें उनकी उपस्थिति व वेतन का ब्यौरा भी रहेगा। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि अगर किसी ठेकेदार पर श्रम कानूनों के उल्लंघन के लिए बीते दो साल में जुर्माना लगाया गया होगा तो वह सेवाओं के लिए बोली नहीं लगा सकेगा।

अंकित हत्याकांड में हुआ चौंकाने वाला खुलासा!

नई दिल्ली 6 फरवरी (ए)। कहा जाता है महिला प्रेम की मूर्ति होती है लेकिन अंकित सक्सेना की निर्मम हत्याकांड में एक महिला ने ही प्रमुख भूमिका अदा की है। यह महिला अंकित की प्रेमिका सलिमा की मां शहनाज थी। पड़ोसियों के अनुसार शहनाज ने ही पहले अपने पति को अंकित को मारने के लिए भड़काया था। यहां तक कि जिस मीट काटने वाले चापड़ से सलिमा के पिता अकबर अली ने अंकित का गला काटा था, वह चापड़ भी शहनाज ही अपने घर से पड़ोसी की स्कूटी में रखकर लाई थी। शहनाज की एक महिला पड़ोसी व प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सलिमा वीरवार शाम में शादी के लिए दबाव बनाने पर अपनी मां शहनाज, पिता अकबर और नाबालिग भाई को घर में बंद कर बाहर से कुंडी लगा भग गई थी। इसके बाद शहनाज ने अपने भाई सलीम को फोन कर बुलाया था। उसी ने तीनों को घर से निकाला था। इसके बाद चारों पहले रघुवीर नगर ए ब्लॉक स्थित अंकित के घर पहुंचे और उनके माता-पिता से अंकित पर उसकी बेटी को भगा ले जाने का आरोप लगाया। पर अंकित के पिता यशपाल सक्सेना और मां कमलेश ने उनके बेटे द्वारा ऐसी हरकत किए जाने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद भी चारों उनसे झगड़ते रहे। उस समय उनके पास कोई हथियार न था। इसके बाद उन्होंने दबाव बनाकर कमलेश से

अंकित को फोन कर बुलाने को कहा। इसके बाद चारों वहां से चले गए और सड़क पर उसका इंतजार करने लगे।

वहीं, शहनाज अपने घर गई और पड़ोसी से यह कहकर उसकी स्कूटी मांगी कि उसकी बेटी की तबीयत खराब है वह दवा लेने जा रही है। उसी स्कूटी में कपड़े में लिपटा चापड़, जिसका उपयोग अकबर मीट काटने के लिए उपयोग करता था लेकर मौके पर पहुंच गई और उसे अपने पति को दे दिया। इधर, अपनी मां के बुलाए जाने पर जैसे ही अंकित घर पहुंचा और थोड़ी देर बाद अपने दोस्तों से मिलने जाने की बात कह कर जाने लगा तो पहले से सड़क पर इंतजार कर रहे चारों ने उसे घेर लिया और पीटना शुरू कर दिया। इसी दौरान अकबर अली ने चापड़ से उसके गले पर वार कर गला काट दिया।

दो दिन पहले ही पिता ने की थी शादी की बात : अंकित के पिता यशपाल ने बताया कि उन्हें अंकित और सलिमा के प्रेम संबंधों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। न ही कभी अंकित ने जिक्र किया था। यही नहीं घटना के दो दिन पहले ही उन्होंने अंकित से उसकी शादी की बात की थी। उस समय भी उसने अपने पिता को यही कहा था कि वह तैयार है। पर लड़की वह पसंद करेगा। अंकित के मामा मनोज गौड़ का कहना है कि उसका कोई प्रेम संबंध नहीं था। अगर ऐसा होता तो वह किसी को तो बताता। शादी की चर्चा होने पर वह अपनी मामी से कहता था कि आप ऐसी लड़की पसंद कर लाओ जो उसकी मां की सेवा करे। अंकित के एक दोस्त ने बताया कि सलिमा के साथ अंकित की दोस्ती थी। करीब डेढ़ साल पहले किसी कारण से दोनों ने बातचीत बंद कर दिया था। इसके बाद फिर से उनकी दोस्ती हुई थी या नहीं इसके बारे में उसने अपने दोस्तों से भी बात करना बंद कर दिया था।

पिता की आंखों में धुआं न लगे इसके लिए छुड़वा दिया था काम : मामा मनोज ने अपने इकलौते भांजे की चर्चा करते हुए रौंधे गले से बताया कि यशपाल इलेक्ट्रॉनिक सामानों के मरम्मत का काम करते थे। पर दिल का रोग हो जाने के कारण उनका स्वास्थ्य खराब रहने लगा। इसी दौरान उनके दिल का ऑपरेशन भी हुआ। इसके बाद अंकित ने उन्हें मकैनिक का काम करने से मना कर दिया, क्योंकि इसमें काफी देर तक बैठना और शॉल्डिंग करना पड़ता है। जिससे निकलने वाला धुआं हानिकारक होता है। यही नहीं उसने इसी साल गर्मी में अपनी कमाई से अपने पिता के कमरे में एसी भी लगवाया था, ताकि पिता का स्वास्थ्य सही रहे।

पिता ने की अपील, वारदात को न दे मजहबी रंग : अंकित की हत्या के बाद इसे हिंदू-मुस्लिम रंग देने की कोशिश कर रहे लोगों से पिता यशपाल ने अपील कर इसे मजहबी रंग नहीं देने की अपील की है। उन्होंने शनिवार को कहा कि उनके पास भी कुछ धार्मिक संगठनों के लोग आए थे, जिन्होंने बस सहयोग देने की बात की थी। पर उन्होंने उन्हें साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस प्रशासन पर पूरा विश्वास है। वह अपराधियों को जरूर सजा दिलवाएगी। हत्यारे वे बार-बार हत्यारों को फांसी दिए जाने की मांग कर रहे थे।

होटल लीला की याचिका खारिज, एएआई को 258 करोड़ देने का निर्देश

नयी दिल्ली 6 फरवरी (ए)। उच्चतम न्यायालय ने होटल लीला वेंचर लि. की अपील को आज खारिज कर दिया और रायल्टी के रूप में भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) को 258 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा। यह रायल्टी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के समीप एएआई की संपत्ति को रखने से संबंधित है। न्यायाधीश आर एफ नरीमन और न्यायाधीश नवीन सिन्हा ने होटल लीला की अपील खारिज कर दी। अपील में दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ के आदेश को चुनौती दी गयी थी। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश में कोई कमी नहीं है और होटल लीला चेंर की याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है। उच्च न्यायालय ने नवंबर 2016 में अपने एकल न्यायाधीश के उस निर्णय को बरकरार रखा जिसमें होटल लीला को रायल्टी के रूप में 258 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा गया था। एएआई के पास मुंबई हवाईअड्डे के समीप 29,000 वर्ग मीटर जमीन है।

प्राधिकरण ने 9,000-9,000 वर्ग मीटर के दो भूखंड लीला स्काटिश लेस लि. तथा लीला वेंचर्स लि. को पट्टे पर दिये थे।

बीएसएफ जवान की धमकी, परिवार को न्याय नहीं मिला तो उठा लूंगा हथियार

सहारनपुर 6 फरवरी (ए)। बंगाल बॉर्डर पर तैनात एक बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस.एफ .) के जवान अजय कुमार का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है। सहारनपुर निवासी अजय कुमार इन दिनों बंगाल बॉर्डर पर तैनात है। उसने एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने परिवार के लिए न्याय की गुहार लगाई है। वीडियो में बी.एस.एफ. जवान ने धमकी दी है कि अगर उन्हें और उनके परिवार को न्याय नहीं मिला तो वह हथियार उठा लेगा। दरअसल गंगेाह के गांव तातारपुर निवासी बी.एस.एफ. जवान अजय सिंह बी.एस.एफ. की 102 बटालियन में तैनात है। इन दिनों उसकी पोस्टिंग बंगाल बॉर्डर पर है। वीडियो में अजय कुमार साफ कहता नजर आ रहा है, ''मैंने सरहद की रक्षा के लिए हथियार उठाए हैं। मुझे इतना मजबूर मत करो कि अब मैं अपने परिवार की रक्षा के लिए हथियार उठाऊं,

जिसका जिम्मेदार पुलिस-प्रशासन होगा।'' जवान का आरोप है कि ग्राम प्रधान की मदद से पुलिस ने उसकी लहलहाती फसल को ट्रैक्टर चलवाकर बर्बाद कर दिया।

क्या है पूरा मामला : दरअसल गांव तातारपुर में 5 जनवरी को बी.एस. एफ . जवान अजय कुमार के पिता सरदारा सिंह, भाई प्रमोद कुमार व अन्य रिश्तेदारों के साथ पुलिसकर्मियों ने अभद्रता करते हुए मुकदमा लिख उन्हें जेल भेज दिया था, जबकि बहनों को वांछित कर दिया। पुलिस की इस करतूत का वीडियो भी वायरल हुआ था। इस मामले में सी.ओ. गंगेाह ने अपनी जांच रिपोर्ट में पुलिसकर्मियों को क्लीन चिट दे दी थी।

महाराजा फरीदकोट की संपत्ति मामले में बड़ा फैसला, दोनों बेटियां होंगी संपत्ति की वारिस

चंडीगढ़ 6 फरवरी (ए)। महाराजा फरीदकोट हरिंद्र सिंह बराड़ (दिवंगत) की 20 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति विवाद मामले में चंडीगढ़ जिला अदालत ने अहम फैसला देते हुए इस संपत्ति का हकदार दिवंगत महाराजा की बेटियों महारानी अमृत कौर और महारानी दीपइंद्र कौर को बताया है।

अदालत ने 25 जुलाई, 2013 के फैसले को उचित करार देते हुए उक फैसले को चुनौती देने वाली महरावल खेवाजी ट्रस्ट सहित अन्य पार्टियों की याचिकाओं को रद्द कर दिया है। ऐसे में हजारों करोड़ रुपए की संपत्ति के आधे-आधे हिस्से की हकदार दोनों महारानियां होंगी।

वर्ष 2013 का फैसला भी दोनों महारानियों के हक में आया था। सी.जे.एम. कोर्ट के आदेशों को ट्रस्ट ने एडिशनल सैशन कोर्ट में चुनौती दी थी। ट्रस्ट के अलावा महाराजा हरिंद्र सिंह बराड़ के छोटे

भाई के बेटे भरत इंद्र सिंह भी संपत्ति विवाद में पार्टी बन गए थे। इससे पहले सी.जे.एम. कोर्ट ने ट्रस्ट द्वारा पेश की गई वसीयत को अमान्य माना था जिसे एडिशनल सैशन कोर्ट ने भी माना है। उस वसीयत में महाराजा हरिंद्र सिंह बराड़ द्वारा संपत्ति को कथित रूप से ट्रस्ट के नाम किया गया था।

महाराजा फरीदकोट की चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश में करोड़ों की संपत्ति है जिसमें मनीमाजरा का किला, एक होटल साइट मुख्य रूप से शामिल हैं। गौरतलब है कि 25 जुलाई, 2013 को सी.जे.एम. ने महाराजा फरीदकोट की 20 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति का मालिकाना हक उनकी बड़ी बेटी राजकुमारी अमृत कौर और दूसरी बेटी महारानी दीपइंद्र कौर को दिया था। निचली अदालत ने महाराजा की 1982 की वसीयत को अवैध ठहराया था। इस वसीयत में कथित रूप से महाराजा ने महावल खेवाजी ट्रस्ट बनाकर संपत्ति इसके नाम कर दी थी। ट्रस्ट ने इस फैसले को चुनौती दी थी। वहीं ट्रस्ट ने कहा था कि अदालत ने 1952 में बनी वसीयत पर गौर नहीं किया जिसमें महाराजा ने बड़ी बेटी अमृत कौर को संपत्ति से बेदखल कर दिया था। इसके बाद महाराजा के छोटे भाई के बेटे भरत इंद्र सिंह ने भी निचली अदालत के फैसले के खिलाफ एडिशनल सैशन कोर्ट में अपील दायर की थी जिसमें कहा गया था कि पुरुष सदस्य होने के नाते वह संपत्ति के हकदार हैं।

शहीद कैप्टन कुंदू की मां बोलीं, इस बार भी मुझे सरप्राइज दिया!

जम्मू-कश्मीर, 6 फरवरी (ए)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में पाकिस्तानी गोलाबारी में शहीद हुए 22 वर्षीय कैप्टन कपिल कुंदू अपना 23वां जन्मदिन मनाने के लिए घर आने वाले थे। देश के लिए शहीद होने वाले कैप्टन कुंदू आने वाली 10 फरवरी को 23 साल के हो जाते। गुडगांव जिले में पटौदी के निकट रॉसिका गांव में कैप्टन के घर वाले उनके छुट्टियों पर आने का इंतजार कर रहे थे, लेकिन उन्हें अपने बच्चे के शहीद होने की खबर मिली। अपने बच्चे के मरने की खबर सुनकर मां सुनीता बेजार हो गईं। हालांकि, वह दुख के सागर में डूबी हुई हैं,

फिर भी आंसू पीते हुए उन्होंने कहा 'मेरे बेटे को एडवैंचर से भरा जीवन पसंद था।' कैप्टन की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा सा पसर गया है। पाकिस्तान की ओर से रविवार को राजौरी में नियंत्रण रेखा पर हुई भारी गोलाबारी में कुंदू के अलावा सेना के तीन अन्य जवान भी शहीद हुए हैं। कुंदू की मां ने कहा, 'कपिल 10 फरवरी को अपने जन्मदिन पर घर आने वाला था। वह हमेशा मुझे सरप्राइज देता, अपने आने की खबर पहले सिर्फ बहनों को देता था। वह बहनों के साथ सबकुछ साझा करता था। सुनीता ने बताया कि कैप्टन कुंदू पिछली बार नवंबर, 2017 में ही घर आए थे। कैप्टन के परिवार का कहना है कि वह अच्छी जिंदगी में यकीन रखने वाले व्यक्ति थे, लंबी जिंदगी में नहीं। उनकी मां का कहना है, 'उसे एडवैंचर भरी जिंदगी पसंद थी, उसे प्रकृति से प्यार था। वह महान देशभक्त था। वह देश के लिए अपनी भावनाएं दर्शाने के लिए कविताएं लिखता था। वह हमेशा कहता था कि मेरा देश सबसे ऊपर है।' अपने भाई के बारे में बात करते-करते कैप्टन कुंदू की बहन बार-बार रोईं।

हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल, 500 साल पुराने मंदिर में मुस्लिम करा रहे काम

अहमदाबाद 6 फरवरी (ए)। देश में हिंदू-मुस्लिम मुद्दे का इस्तेमाल कर अक्सर राजनेता अपनी राजनीतिक रोटियां सेकते हैं। यहां तक कि मंदिर-मस्जिद की राजनीति में अब तक सैकड़ों लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। लेकिन, गुजरात के एक मुस्लिम शख्स ने हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का ऐसा उदाहरण पेश किया है कि जिसके बारे में जानकर आप भी इनकी तारीफ करेंगे। अहमदाबाद के मोईन मेमन ने करीब 500 साल पुराने हनुमान मंदिर के नवीनीकरण का बीड़ा उठाया है। मिर्जापुर स्थित इस हनुमान मंदिर का मोईन खुद पुनर्निर्माण करा रहे हैं। मोईन मेमन कहते हैं राजनीति वाले तो जब तक हिंदू-मुस्लिम नहीं करवाएंगे तब तक उनकी रोटी नहीं सिकेगी। अगर सब हिंदू-मुस्लिम भाई एकजुट हो गए तो राजनेता कुछ नहीं कर सकेंगे। देश में शांति रहेगी।

ट्रंप ने ब्रिटेन की स्वास्थ्य सेवा पर साधा निशाना, तुरंत मिला ये करारा जवाब

लंदन 6 फरवरी (ए)। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) पर निशाना साधने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करारा जवाब भी मिल गया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा था कि ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा कारगर नहीं है। जबकि इसके जवाब में ब्रिटिश स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उन्हें इस पर गर्व है।

सीएनएन के मुताबिक, ट्रंप ने सोमवार को फॉक्स न्यूज पर ब्रिटेन की स्वास्थ्य प्रणाली पर आधारित खबर के प्रसारण के कुछ मिनटों बाद ही ट्वीट कर निशाना साधा। वहीं उन्होंने डेमोक्रेट्स पर अमेरिका में भी इसी तरह की सार्वभौमिक स्वास्थ्य प्रणाली पर जोर देने का आरोप लगाया। ट्रंप ने ट्वीट कर कहा, डेमोक्रेट्स सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा पर जोर दे रहे हैं, जबकि इसी के विरोध में ब्रिटेन में हजारों लोग सड़कों पर हैं क्योंकि यह प्रणाली कारगर नहीं है। हालांकि ट्रंप के इस आलोचना भरे ट्वीट का जवाब ब्रिटिश स्वास्थ्य

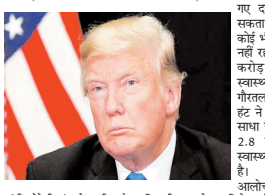

मंत्री जेरेमी हंट ने ट्वीट के जरिए ही दिया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, ब्रिटेन के यूनिवर्सल हेल्थ सर्विस पर गर्व है, जिसके जरिए जरूरतमंदों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिलती है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, मैं मार्च को लेकर किए गए दावों से असहमत हो सकता हूं, लेकिन उनमें से कोई भी एक ऐसे सिस्टम में नहीं रहना चाहता, जहां 2.8 करोड़ लोगों को कोई स्वास्थ्य बीमा नहीं मिले। गौरतलब है कि इस ट्वीट से हंट ने अमेरिका पर निशाना साधा है, जहां अमेरिका की 2.8 करोड़ आबादी तक स्वास्थ्य बीमा की पहुंच नहीं है। वहीं ट्रंप की इस आलोचना के बारे में पूछे जाने पर ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे के प्रवक्ता ने कहा, उन्हें (थेरेसा) देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर गर्व है। ट्रंप के ट्वीट को लेकर विपक्षी पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बन ने भी उनकी आलोचना की। ट्रंप और ब्रिटेन की प्रधानमंत्री थेरेसा मे के बीच ट्विटर वार भी देखने को मिल चुका है।

इमरान खान की पूर्व पत्नी ने जान को खतरा बताते हुए पाकिस्तान छोड़ा

इस्लामाबाद 6 फरवरी (ए)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान ने पाकिस्तान छोड़ दिया है। उन्होंने इसके लिए अनजान व्यक्तियों से अपनी जान को खतरे का हवाला दिया है। पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो न्यूज से बातचीत में रेहम ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्होंने रविवार रात को पाकिस्तान छोड़ दिया क्योंकि उन्हें अपने स्टाफ के फोन पर जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। रेहम ने कहा कि धमकियों की वजह से उन्होंने अपनी बेटी को स्कूल भेजना बंद कर दिया। बेटी के स्कूल छूटने से वह काफी व्यथित थीं। उन्होंने कहा, किसी भी राजनीतिक दल ने मेरा साथ नहीं दिया। मेरे स्टाफ के पास सितंबर से ही धमकियां मिल रही थीं लेकिन अब ये धमकियां काफी बढ़ चुकी हैं। इसलिए मैंने पाकिस्तान छोड़ने का फैसला किया।